

उपहारी वि. (तत्.) उपहार देने वाला।

उपहास पुं. (तत्.) हँसी, दिल्लगी 2. निंदा।

उपहासक वि. (तत्.) 1. (किसी का) मजाक उड़ाने वाला 2. मज़ाकिया स्वभाव वाला पुं. विदूषक।

उपहासजनक वि. (तत्.) जिससे हँसाई हो या खिल्ली उड़े।

उपहास पात्र वि. (तत्.) 1. जिसका मज़ाक उड़ाया गया हो 2. उपहास के योग्य 3. निकृष्ट कोटि का।

उपहासास्पद वि. (तत्.) उपहास के योग्य। उपहासपात्र।

उपहासी वि. (तत्.) उपहास करने वाला।

उपहास्य वि. (तत्.) दे. उपहासास्पद।

उपहित वि. (तत्.) 1. समीप रखा गया 2. समीपस्थ 3. दर्शन उपाधि से युक्त क्रि.वि. पूर्वक जैसे- बलोपहित=बलपूर्वक।

उपांग उद्योग पुं. (तत्.) बाणि. प्रमुख उद्देश्य के पूरक उद्योग, अनुषंगी उद्योग। subsidiary industry

उपांग पुं. (तत्.) 1. अंग का विभाग, अवयव 2. वह विषय जिससे किसी ज्ञान के अंगों की पूर्ति हो। जैसे- वेदांग के पूरक विषय के रूप में मीमांसा, न्याय आदि 2. प्राणि. शरीर के किसी अंग से जुड़ा सहायक अंग जैसे- appendix

उपांत पुं. (तत्.) 1. मुद्रण में या लिखने में पृष्ठ पर चारों ओर छोड़ी गई खाली जगह, हाशिया margin 2. अंतिम से एक पहला 3. छोर, किनारा।

उपांतरण पुं. (तत्.) मूल के स्वरूप को सुरक्षित रखते हुए किए गए सुधार या परिवर्तन। modification

उपांतस्थ वि. (तत्.) 1. उपांत पर स्थित दे. उपांत 2. हाशिए या फुटनोट में लिखा हुआ।

उपांतिक वि. (तत्.) 1. उपांत 2. पड़ोसी।

उपांतिक समायोजन पुं. (तत्.) बाणि. किसी देय राशि की ठीक-ठीक गणना के उपरांत किसी अन्य कारक के साथ मेल बिठाने के लिए उस राशि को कुछ कम या अधिक कर देने की क्रिया। marginal adjustment

उपांतिका स्त्री. (तत्.) दे. 'उपकक्ष'।

उपांत्य वि. (तत्.) 1. अंत का समीपवर्ती 2. अंतिम का समीपवर्ती, अंतिम से पहले का दे. उपधा 3. उपांत से संबंधित 4. उपांत का पुं. 1. छोर 2. नेत्र की कोर 3. पड़ोस।

उपांशु पुं. (तत्.) मंद स्वर दे. फुसफुसाहट

उपांशुजप पुं. (तत्.) अस्फुट स्वर में किया गया जप।

उपाकर्म पुं. (तत्.) 1. प्रारंभ 2. श्रावणी पूर्णिमा को संस्कारपूर्वक वेदाध्ययन का प्रारंभ टि. पहले आषाढ पूर्णिमा को गुरुपूजन होता था तथा श्रावण पूर्णिमा से अध्ययन-अध्यापन का सत्र प्रारंभ हो जाता था 3. श्रावणी पूर्णिमा को नवीन यज्ञोपवीत धारण करने का संस्कार श्रावणी कर्म 4. यज्ञोपवीत संस्कार।

उपाख्या स्त्री. (तत्.) किसी घटना, कथा आदि का शब्दबद्ध वर्णन या विवरण।

उपाख्यान पुं. (तत्.) 1. पौराणिक कथा 2. किसी कथा के अंतर्गत कोई और कथा, अंतःकथा (अंतर्कथा) प्रयो. महाभारत में अनेक राजाओं के उपाख्यान हैं तु. आख्यान।

उपागम पुं. (तत्.) 1. निकट आना, पहुँचना 2. किसी विषय को समझने का अपना दृष्टिकोण 3. शिक्षा. व्याख्या करने की निहित क्षमता। approach

उपाचार्य पुं. (तत्.) विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों आदि में आचार्य के नीचे का पद। assistant professor, vice principal

उपाड़ना स.क्रि. (तत्.) (तत्.उत्पाटन) 1. उखाड़ने की क्रिया या भाव 2. समूल नष्ट करना 3. ऊपर करना।